समय : २:३० घंटे **पूर्णांक : ७५**

सूचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

३. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक व उप क्रमांक अवश्य लिखें |

प्रश्न १. निम्न लिखित में से किन्ही दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए | **(३०)**

(क) "बहुत कुछ देखा है, बहुत कुछ पढ़ा हैं | लेकिन यह सब झूठ है | सच इतना ही कि प्रेम के भार से भारी रहकर जो जीवन के मूल में पैठा है, वह धन्य हैं |"

(ख) "आजादी के आन्दोलन में पड़कर लगा कि मैं बँधा नहीं हूँ, खोल रहा हूँ और खुल रहा हूँ | वहाँ से क्या-कैसे मोड़ खाता हुआ मेरा जीवन अब यहाँ तक आया है |?"

(ग) "सोचने लगी कि यही उसका भाग्य है | घर में एक वह है और उसका काम | काम ही एक संगी है | एक रोज इसी में मर जाना है | बाकि तो सब बैरी हैं | मुझे तो मौत आ जाए तो भला !"

प्रश्न २. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर लिखिए | **(३०)**

(च) 'त्यागपत्र' उपन्यास की पृष्ठभूमि को विस्तार से समझाइए |

(छ) 'मुक्तिबोध' उपन्यास में सामाजिक दृष्टि से स्त्री-पुरुष संबंध को किस प्रकार से दर्शाया गया है, स्पष्ट कीजिए |

(ज) 'खेल' कहानी बाल मनोविज्ञान की श्रेष्ठ कहानी है | मूल्यांकन कीजिए |

प्रश्न ३. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए | **(१५)**

(त) 'त्यागपत्र' उपन्यास में अनमेल विवाह की समस्या |

अथवा

'त्यागपत्र' उपन्यास की पात्र – मृणाल बुआ |

(थ) 'राजश्री' का चरित्र चित्रण |

अथवा

'मुक्तिबोध' उपन्यास की विशेषताएँ |

(द) 'बाहुबली' कहानी की मूल संवेदना |

अथवा

'एक रात' कहानी के आधार पर जयराज का अंतर्द्वंद |

****

X279Y1924ACX279Y1924ACX279Y1924ACX279Y1924AC